CC-0. Digitized by eGangotri and MIDF- Delhi

रावणकृतं शिव स्तोत्रम्

89

Jagannath Bhattarai Collection. Nagarjun-7, Kathmandu, Nepal

CC-0. Digitized by eGangotri and MIDF- Delhi

ऐनमोभगवतेसदाशिवाय॥जटाकटाहसंभ्रमभ्रमन्निलिंपनिर्झरीविलोलवीचिवल्लरीविराजमान
मूर्धनि॥धगद्धगद्धगज्ज्वलल्ललाटपट्टपावकेकिशोरचन्द्रशेखरेरतिःप्रतिक्षणंमम॥१॥धरा
धरेन्द्रनन्दिनीविलासबन्धुबन्धुरस्फुरद्दृगन्तसन्ततिप्रमोदमानमानसे॥कृपाकटाक्षधोरणी
निरुद्धदुर्धरापदि क्वचिद्विगम्बरेमनोविनोदमेतुवस्तुनि॥२॥जटाभुजङ्गपिंगलस्फुरत्फणामणिप्रभा
कदम्बकुंकुमद्रवप्रलिप्तदिग्वधूमुखे॥मदान्धसिन्धुरस्फुरत्त्वगुत्तरीयमेदुरेमनोविनोदमद्भुतं
बिभर्तुभूतभर्तरि॥३॥सहस्रलोचनप्रभृत्यशेषलेखशेखरप्रसूनधूलिधोरणीविधूसरांघ्रिपीठभूः॥
भुजंगराजमालयानिबद्धजाटजूटकःश्रियैचिराय जायतांचकोरबंधुशेखरः॥४॥ललाटचत्व
रज्वलद्धनञ्जयस्फुलिंगयानिपातपंचसायकंनमन्निलिम्पनायकम्॥सुधामयूखलेखयाविरा
जमानशेखरंमहःकपालिसंपदेशिरोजटालमस्तुनः॥५॥करालभालपट्टिकाधगद्धगद्धग

Jagannath Bhattarai Collection. Nagarjun-7, Kathmandu, Nepal

CC-0. Digitized by eGangotri and MIDF- Delhi

ज्वलज्ज्वलनज्वालाकुलीकृतत्रिचक्षुषं चलायके॥ धराधरेन्द्रनंदिनीकुचाग्रचित्रपत्रकत्रकल्पनैक
द्वितीयनिर्विलोचने रतिर्मम॥ ६॥ नवीनमेघमंडलीनिरुद्धदुर्धरस्फुरत्कुहूनिशीथिनीतमः
प्रबन्धबद्धकन्धरः॥ निलिंपनिर्झरीधरस्तनोतुकृत्तसिन्धुरः कलानिधानबंधुरः श्रियं जग
द्धुरंधरः॥ ७॥ अखर्वनीलपंकजप्रपंचकालिमप्रभाविलम्बिकंठकन्दलीरुचिप्रबन्धबन्धुरम्
॥ स्मरच्छिदंपुरच्छिदंभवच्छिदंमखच्छिदंगजच्छिदंधकच्छिदंतमन्तकच्छिदंभजे॥ ८॥ अखर्व
सर्वमंगलाकलाकदम्बमञ्जरीरसप्रवाहमाधुरीविजृम्भणामधुव्रतम्॥ स्मरान्तकंपुरान्तकं
भवान्तकंमखान्तकंगजान्तकान्धकान्तकंतमन्तकान्तकंभजे॥ ९॥ जयत्पदप्रविभ्रमभ्रमद्भुजङ्ग
मश्वसद्विनिर्गमक्रमक्रमत्करालभालहव्यवाट्॥ धिमिद्धिमिद्धिमिध्वनन्मृदङ्गतुङ्गमंगल
ध्वनिक्रमप्रवर्तितप्रचण्डताण्डवः शिवः॥ १०॥ दृषद्विचित्रतल्पयोर्भुजङ्गमौक्तिकस्रजोर्गरि

Jagannath Bhattarai Collection. Nagarjun-7, Kathmandu, Nepal

CC-0. Digitized by eGangotri and MIDF- Delhi

करतलोदयोल्लसदिषत्पक्षयोत्तुंगारविन्दचक्षुषोः प्रजानहीमहीन्द्रयोः समन्नतृनिनः क
रुणादाशिवंभजामहे॥१॥कृतानिलिम्पिनिर्झरीनिकुंजकोटरेवसन्विमुक्तदुर्मतिः सदाशि
वंसमस्मरन्॥विलोललोललोचनाललामकाललग्नकंशिवेतिमंत्रमुच्चरन्कदासु
लीभवाम्यहम्॥२॥ ॐ इतिरावणकृतंशिवलोचनं॥ ॐ सदाशिव ——— एनाप

Jagannath Bhattarai Collection. Nagarjun-7, Kathmandu, Nepal

This PDF you are browsing is in a series of several scanned documents containing the personal colleciton of Jagannath Bhattarai ji from Kathmandu, Nepal.

CV:

Jagannath Bhattarai
Date of Birth: 31 December 1960
Place of Birth: Kathmandu, Nepal
Address: Nagarjun (Ramkot), Kathmandu

Educational Qualifications
Bachelor of Science (B.Sc.) – Major in Biology
Master's Degree – Sociology & Anthropology
Shastri (Ongoing) – Balmiki Vidyapeeth

Professional Experience
Government School Teacher (Madhyamik Pratham Shreni)
Taught at Secondary Level (Madhyamik)
Taught at Higher Secondary Level (Uchcha Madhyamik)
Served as Head Teacher
Led academic and administrative development
Strengthened institutional performance and student outcomes

Areas of Interest
Sanskrit Vyakaran
Spiritual & Philosophical Studies
Educational Leadership

Digitization by eGangotri Trust
Funding by MIDF, New Delhi